CIN: L15421MP2011PLC027287
GSTIN: 23AAGCP3350D1ZW

PSPL

Parvati Sweetners And Power Limited

Registered Office: Hall No. 2. Shopping Complex, Gomantika Parisar, Jawahar Chowk, Bhopal- 462003 (MP) Ph. No. 0755 – 4236666, Email: info@parvatisweetners.com

Date: 10th August, 2019

To,
BSE Limited,
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street, Mumbai – 400 001

Scrip Code: 541347 **Symbol: PARVATI** **ISIN: INE295Z01015**

Dear Sir(s),

Subject: Newspaper Advertisement about publishing of Notice of Board Meeting for the first Quarter ended 30th June, 2019, pursuant to Regulation 47 of SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015

Pursuant to Regulation 47 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find enclosed copies of Notice of Board Meeting for the first quarter ended June 30, 2019, as per regulation 47 of SEBI (LODR) Regulations, 2015 published in the Newspapers viz –Free Press and Choutha Sansar viz.- 07th August, 2019.

We request you to kindly take the above information on records.

Thanking You

Yours Faithfully

For Parvati Sweetners and Power Limited

PARVATI SWEETNERS AND POWER LIMITED BHOPAL

Deepak Chhugani
Company Secretary

खबरों में रहे स्टॉक

ल्यूपिन

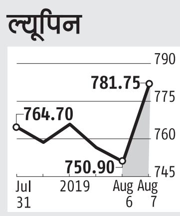

पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 50 फीसदी बढ़ा

₹ 750.90 पिछला बंद भाव
₹ 781.75 आज का बंद भाव
▲4.11 %

इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनैंस

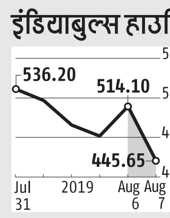

पहली तिमाही में बढ़ा सकल एनपीए अनुपात

₹ 514.10 पिछला बंद भाव
₹ 445.65 आज का बंद भाव
▼13.31 %

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा

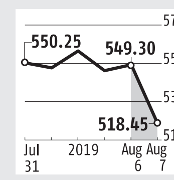

पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 53 फीसदी घटा

₹ 549.30 पिछला बंद भाव
₹ 518.45 आज का बंद भाव
▼5.62 %

बैंक ऑफ बड़ौदा

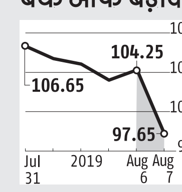

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2020 के लिए वृद्धि अनुमान घटाया

₹ 104.25 पिछला बंद भाव
₹ 97.65 आज का बंद भाव
▼6.33 %

जिंदल स्टील ऐंड पावर

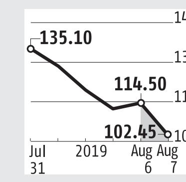

निफ्टी धातु सूचकांक में सबसे अधिक गिरने वाला शेयर

₹ 114.50 पिछला बंद भाव
₹ 102.45 आज का बंद भाव
▼10.52 %

संक्षेप में

सुंदरम फाइनैंस का शुद्ध लाभ 11.9 फीसदी बढ़ा

गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी सुंदरम फाइनैंस लिमिटेड का एकल शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 11.9 फीसदी बढ़कर 157.52 करोड़ रुपये हो गया जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 140.72 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का 31 मार्च 2019 को समाप्त वित्त वर्ष में एकल शुद्ध लाभ 1,126.30 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने कहा कि अप्रैल-जून 2019 अवधि में उसकी कुल आय बढ़कर 946.12 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसकी आय 854.49 करोड़ रुपये थी। 31 मार्च 2019 को समाप्त वित्त वर्ष में उसकी एकल कुल आय 3,418.16 करोड़ रुपये रही। तिमाही के दौरान सुंदरम फाइनैंस का कर्ज वितरण 7.8 फीसदी बढ़कर 4,414 करोड़ रुपये रहा। *भाषा*

सीमेंस का शुद्ध लाभ 21 फीसदी बढ़ा

सीमेंस को जून तिमाही में 21 फीसदी वृद्धि के साथ 250.1 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। साल भर पहले इसी दौरान कंपनी का शुद्ध मुनाफा 206.1 करोड़ रुपये था। कंपनी का वित्त वर्ष अक्टूबर-सितंबर है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजारों को बताया कि एक साल पहले समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय पहले के 3,163.6 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,300 करोड़ रुपये हो गई। जून तिमाही में 3,023 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर आए। *भाषा*

वाहन उद्योग ने की राहत की मांग

उद्योग के वरिठ अधिकारियों ने वित्त मंत्री से की मुलाकात, जताई छंटनी की आशंका

अरिंदम मजूमदार
नई दिल्ली, 7 अगस्त

वाहन विनिर्माताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर उन्हें वाहन क्षेत्र की चुनौतियों से अवगत कराया और विभिन्न तरह के प्रोत्साहन की मांग की। पिछले एक दशक में सबसे खराब दौर से गुजर रहे वाहन उद्योग ने वित्त मंत्री से जीएसटी दर में कटौती करने, नकदी प्रवाह बढ़ाने और रिटेलरों के लिए ऋण सुविधा आसान बनाने की मांग की। उद्योग ने चेताया कि मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए यदि कोई कदम नहीं उठाया गया तो कर्मचारियों की तत्काल छंटनी की जा सकती है।

पिछले 18 महीनों से वाहन कंपनियों की बिक्री में लगातार गिरावट दर्ज किए जाने के बाद नीति निर्माताओं के साथ उद्योग की यह पहली बैठक थी। हालांकि करीब एक घंटे चली इस बैठक में ठोस प्रस्ताव सामने नहीं आया। बैठक में मारुति सुजूकी के चेयरमैन आरसी भार्गव, हीरो मोटोकॉर्प के पवन मुंजाल और फोक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक गुरुप्रताप बोपाराय भी शामिल थे। भारी उद्योग मंत्री अरविंद सावंत और नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत भी बैठक में मौजूद थे। बैठक में शामिल लोगों ने कहा कि सरकार वाहन उद्योग में मांग घटने के कारणों और उसके संभावित समाधान के बारे में उद्योग प्रतिनिधियों की राय जानना चाहती थी। उन्होंने कहा कि भारी उद्योग मंत्री का रवैया काफी सकारात्मक दिखा। बैठक के दौरान वाहन उद्योग ने सस्ते ऋण की उपलब्धता, वाहन रखने की लागत बढ़ने और वाणिज्यिक वाहनों की ढुलाई क्षमता में बदलाव से संबंधित मुद्दों पर तथ्य प्रस्तुत किए। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि इन्हीं कारणों से मांग प्रभावित हुई है।

बैठक में भाग लेने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमने सरकार से कहा कि यदि कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो उद्योग को मजबूरन तत्काल छंटनी करनी पड़ सकती है।' उन्होंने कहा, 'रोजगार को लेकर काफी चिंता है और छंटनी की आशंका दिख रही है। ऐसा चार क्षेत्रों- आपूर्तिकताओं, डीलरों और सड़क किनारे गैराज जैसे असंगठित इकाइयों- में हो सकता है। इनमें से मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) समाज के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी को देखते हुए छंटनी नहीं करना चाहते हैं। लेकिन वे कुछ ही समय तक ऐसा कर सकेंगे क्योंकि मौजूदा परिस्थिति बरकरार रहने पर हमें उत्पादन पर नए सिरे से गौर करना पड़ेगा।'

उद्योग ने जोर देकर कहा कि वाहनों के पंजीकरण शुल्क में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को वापस लिया जाए क्योंकि उद्योग पहले से ही कमजोर मांग का दबाव झेल रहा है।

वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के सीईओ सहर्ष दमानी ने कहा, 'सरकार आज गंभीरतापूर्वक सुन रही थी। उन्होंने हमारी बात सुनी और अगले कुछ सप्ताह में ठोस कदम उठाए जाने का भरोसा दिलाया।' दमानी ने कहा कि डीलरों के लिए ऋण प्रावधानों को आसान बनाने के लिए बैंकों को निर्देश देने का प्रमुखता से आग्रह किया गया।

मांग घटने से चिंता

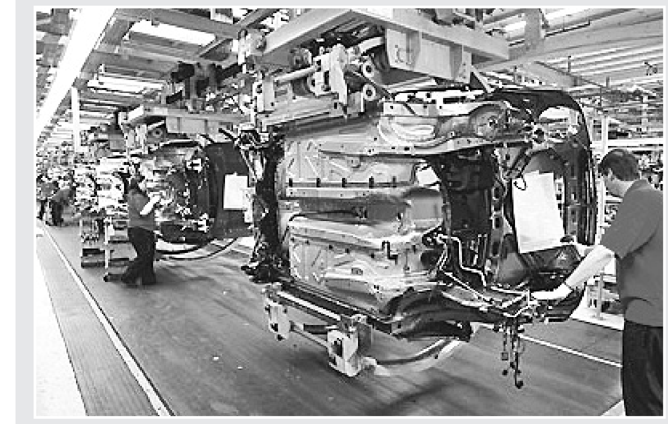

■ वाहन उद्योग ने वित्त मंत्री से जीएसटी दर में कटौती करने, नकदी प्रवाह बढ़ाने और रिटेलरों के लिए ऋण सुविधा आसान बनाने की मांग की

'खपत बढ़ाने के लिए उपाय की दरकार'

बीएस संवाददाता
मुंबई, 7 अगस्त

महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने आज कंपनी के 73वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए शेयरधारकों से कहा कि भारतीय वाहन उद्योग को मांग बढ़ाने के लिए तात्कालिक उपाय करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी राजकोषीय जिम्मेदारी के बारे में बताने की जरूरत है क्योंकि वाहन उद्योग में करीब एक साल से जारी मंदी के कारण जीएसटी संग्रह में जबरदस्त झटका लगा है।

महिंद्रा ने कहा, 'हमें खपत बढ़ाने के लिए लघु अवधि के उपाय करने की जरूरत है। मैं समझता हूं कि वाहन उद्योग में बदलाव लाने के लिए सरकार के उपाय गंभीर और दूरगामी हैं। जीएसटी में रियायत को लेकर सरकार की हिचकिचाहट को मैं अच्छी तरह समझ सकता हूं।' उन्होंने कहा कि वाहन उद्योग सरकारी खजाने में 1,80,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान करता है।

उधर, ट्रैक्टर और यूटिलिटी वाहन बाजार की अग्रणी कंपनी महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ने ट्रैक्टर बाजार के लिए 5 फीसदी वृद्धि के अपने पिछले अनुमान को घटाकर स्थिर कर दिया है। एक्सयूवी500 और स्वराज ट्रैक्टर बनाने वाली कंपनी ने जून तिमाही के दौरान राजस्व में 4 फीसदी और शुद्ध लाभ में 26 फीसदी की गिरावट दर्ज की।

तिमाही के दौरान महिंद्रा ऐंड महिंद्रा और महिंद्रा मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड (एमऐंडएम और एमवीएमएल) का शुद्ध लाभ घटकर 918 करोड़ रुपये रह गया जो एक साल पहले की समान अवधि में 1,238 करोड़ रुपये रहा था। जबकि राजस्व एवं अन्य आय घटकर 12,997 करोड़ रुपये रह गई जो एक साल पहले 13,551 करोड़ रुपये रही थी।

तिमाही के दौरान कंपनी की ट्रैक्टर बिक्री 15 फसदी घटकर 82,013 वाहन रह गई जबकि वाणिज्यिक एवं यात्री वाहनों की बिक्री 5 फीसदी घटकर 12,997 वाहन रह गई। तिमाही के दौरान शेयरों की बिक्री आदि से कंपनी को 1,367 करोड़ रुपये की अप्रत्याशित आय हुई।

ल्यूपिन का तिमाही लाभ 49 फीसदी बढ़ा

दवा कंपनी ल्यूपिन का 30 जून, 2019 को समाप्त तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा 49.46 फीसदी बढ़कर 303.05 करोड़ रुपये हो गया। देश-विदेश में बिक्री तेज रहने से मुनाफे में यह सुधार आया है। कंपनी को पिछले साल इसी अवधि में 202.76 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

कंपनी ने बुधवार को बीएसई को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी एकीकृत बिक्री बढ़कर 4,355.83 करोड़ रुपये रही जो साल भर पहले इसी अवधि में 3,774.57 करोड़ रुपये थी। ल्यूपिन के प्रबंध निदेशक नीलेश गुप्ता ने कहा, 'हम अपने प्रमुख बाजारों में बेहतर प्रदर्शन से खुश हैं। वित्त वर्ष के लिए यह एक अच्छी शुरुआत है।' गुप्ता ने कहा कि नियामक निर्देशों का अनुपालन करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और निरंतर इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। *एजेंसियां*

उपभोक्ता स्वास्थ्य कारोबार में हिस्सेदारी बढ़ाएगी सिप्ला

अनीश फडणीस
मुंबई, 7 अगस्त

प्रमुख औषधि कंपनी सिप्ला अपने उपभोक्ता स्वास्थ्य कारोबार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 100 फीसदी करने और घरेलू बाजार में बिक्री बढ़ाने के लिए ई-फार्मेसी कंपनियों के साथ करार करने की संभावनाएं तलाश रही है। कंपनी ने आज निजी इक्विटी फर्म एट रोड इन्वेस्टमेंट्स मॉरिशस लिमिटेड की 26 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण 350 करोड़ रुपये में करने की घोषणा की। इससे सिप्ला हेल्थ पर उसका पूर्ण नियंत्रण हो जाएगा।

औषधि कंपनी ने तेजी से बढ़ रहे ओवर द काउंटर दवा पोर्टफोलियो को भुनाने के लिए वित्त वर्ष 2016 में निजी इक्विटी निवेश के साथ एक अलग कंपनी की स्थापना की थी। इस कारोबार के तहत लाए गए लोकप्रिय ब्रांडों में निकोटिन की आदत छुड़ाने वाला उत्पाद निकोटेक्स और कफ के उपचार में सहायक गोली कफसिल्स शामिल हैं। मार्च 2019 के अनुसार कंपनी का कुल कारोबार 147 करोड़ रुपये था।

सिप्ला ने कहा कि उसने एट रोड इन्वेस्टमेंट्स को बाहर निकलने का अवसर देने और कंपनी पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए एक निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने कहा है कि लेनदेन एक महीने के भीतर पूरा हो जाएगा।

सिप्ला के वैश्विक मुख्य वित्तीय अधिकारी केदार उपाध्याय ने कहा, 'हम उपभोक्ता स्वास्थ्य कारोबार की वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं और तमाम उपचारों के लिए विभिन्न उत्पाद लाने की तैयारी कर रहे हैं।' हालांकि उन्होंने इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं दी लेकिन कहा कि कुछ उत्पाद दर्द निवारक श्रेणी में होंगे।

उपाध्याय ने कहा, 'ऑनलाइन चैनल हमारे लिए प्रासंगिक है और हम उसे भुनाने की संभावना तलाश रहे हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनी फिलहाल इस मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं लिया है कि उसकी साझेदारी वाणिज्यिक व्यवस्था तक सीमित रहेगी अथवा उसमें इक्विटी निवेश भी शामिल होगा।

पिछले सप्ताह एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि सिप्ला ई-फार्मेसी कंपनी मेडलाइफ में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही है और वह इस कारोबार में 150 से 170 करोड़ रुपये का निवेश कर सकती है।

PARVATI SWEETNERS AND POWER LIMITED
CIN: L15421MP2011PLC027287
Regd. Office: Hall No. 2, Gomantika Parisar, Shopping Complex, Jawahar Chowk, Bhopal-462003 (MP), Email: info@parvatisweetners.com, Tel. no: 0755-4009254

NOTICE OF BOARD MEETING

Pursuant to Regulation 29(1)(a) of SEBI (LODR) Regulations, 2015, this is to inform you that meeting of Board of Directors of the company is scheduled to be held on **Wednesday, August 14, 2019** inter-alia to consider and approve the following:

(a) Un-audited financial results of the company for the first quarter ended June 30, 2019.

(b) Fixation of date, time and place of 8th Annual General Meeting & adoption of Boards Report for the F.Y 2018-19 and other Business with the permission of Chair.

Further, in terms of the Company's code of conduct for Prevention of Insider Trading, the Trading Window for dealing in Company's Securities has been closed from 1st July, 2019 and would remain closed till 48 hours after the financial results are declared on 14th August, 2019.

For Parvati Sweetners & Power Limited
Sd/-
Deepak Chhugani
Company Secretary

Place: Bhopal
Date: 06-08-2019

सुरक्षित ठिकानों की तलाश में निवेशक

जश कृपलानी
मुंबई, 7 अगस्त

- इक्विटी में निवेश की रफ्तार फिलहाल सुस्त बनी रह सकती है क्योंकि जोखिम से बचने के लिए निवेशक सुरक्षित एवं कम उतार-चढ़ाव वाले विकल्प तलाश रहे हैं
- इक्विटी, डेट और बैलेंस्ड स्कीमों में निवेश वाले निवेशकों को पिछले कुछ सप्ताह के दौरान उनके निवेश मूल्य पर 5 से 10 फीसदी का प्रभाव
- पिछले दो वर्षों के दौरान मिडकैप श्रेणी में 4 फीसदी रिटर्न मिला जबकि स्मॉलकैप श्रेणी में 7 फीसदी का नकारात्मक रिटर्न रहा
- फंड मैनेजरों का मानना है कि निवेशकों के लिए यह अपनी स्थिति मजबूत करने का सही समय है

शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच म्युचुअल फंड निवेशकों सक्रियता बढ़ गई है। निवेश सलाहकारों का कहना है कि शेयर बाजार में अपनी स्थिति को लेकर निवेशक तमाम पूछताछ करने लगे हैं। शेयर बाजार में अपने निवेश पर भारी मार्क-टु-मार्केट नुकसान सहने के बावजूद उनकी सक्रियता बढ़ गई है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट के निदेशक (फंड अनुसंधान) कौस्तुभ बेलापुरकर ने कहा, 'पहले निवेशक चुनाव संपन्न होने का इंतजार कर रहे थे। उसके बाद उन्होंने बजट का इंतजार किया। हालांकि बजट के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा की गई भारी बिकवाली के कारण बाजार में गिरावट दर्ज की गई जिससे निवेशकों का रिटर्न प्रभावित हुआ।'

विशेषज्ञों का कहना है कि इक्विटी में निवेश की रफ्तार फिलहाल सुस्त बनी रह सकती है क्योंकि जोखिम से बचने के लिए निवेशक सुरक्षित एवं कम उतार-चढ़ाव वाले विकल्प तलाश रहे हैं। प्लान रुपी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज के संस्थापक अमोल जोशी ने कहा, 'निवेशक हमसे पूछताछ कर रहे हैं कि क्या उन्हें अपने निवेश को लिक्विड फंड में लगाना चाहिए।'

इक्विटी में निवेश की रफ्तार 2018 की दूसरी छमाही से ही सुस्त पड़ी हुई है जब आईएलऐंडएफएस संकट के बाद डेट एवं इक्विटी दोनों बाजारों को झटका लगा था। नवंबर 2018 और फरवरी 2019 के बीच इक्विटी योजनाओं में चार महीने गिरावट दर्ज की गई। हालांकि मार्च और जून के महीने में इक्विटी योजनाओं में थोड़ी तेजी दिखी। जून निवेश की प्रवाह काफी हद तक चुनाव नतीजे से प्रभावित रहा। बेंचमार्क सूचकांक फिलहाल अपने पांच महीने के निचले स्तर तक लुढ़क चुके हैं। बजट के बाद उनमें 8 फीसदी की भारी गिरावट आई है।

श्रीकवि वेल्थ के सीईओ श्रीकांत मातृबाई ने कहा, 'कुछ निवेशकों में गुस्सा दिख रहा है। उन्होंने दो साल पहले इक्विटी योजनाओं में निवेश शुरू किया था और थोड़े समय बाद बाहर होना चाहते थे। हालांकि वे बाहर नहीं हो सके। हम निवेशकों से कहना चाहते हैं कि वे जल्दबाजी न करें क्योंकि हमें डर है कि मौजूदा स्तर पर नुकसान झेलने के बाद ये निवेशक बाजार में कभी नहीं लौटेंगे।'

जोशी ने कहा, 'इक्विटी, डेट और बैलेंस्ड स्कीमों में निवेश वाले निवेशकों को पिछले कुछ सप्ताह के दौरान उनके निवेश मूल्य पर 5 से 10 फीसदी का प्रभाव पड़ा है। ऐसा तब हुआ है जब बाजारों ने अपनी हालिया ऊंचाई से गिरावट दर्ज की है।'

पिछले दो वर्षों के प्रदर्शन पर गौर करने से पता चलता है कि म्युचुअल फंड निवेशकों को पहले भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो वर्षों के दौरान मिडकैप श्रेणी में 4 फीसदी रिटर्न मिला जबकि स्मॉलकैप श्रेणी में 7 फीसदी का नकारात्मक रिटर्न रहा। इस बीच, लार्जकैप फंडों (सूचकांक एवं एक्सचेंज ट्रेडेड फंड अथवा ईटीएफ सहित) ने 3 फीसदी का मामूली रिटर्न दिया। जबकि सूचकांक एवं ईटीएफ को छोड़कर लार्जकैप फंडों का रिटर्न महज 2 फीसदी रहा।

निवेशक भले ही अपना निवेश समेटने के बारे में सोच रहे हों लेकिन फंड मैनेजरों का मानना है कि निवेशकों के लिए यह अपनी स्थिति मजबूत करने का सही समय है।

कोटक एमएफ के फंड मैनेजर पंकज टिबरेवाल ने कहा, 'अगले 3 से 6 महीने के दौरान निवेशक अपनी स्थिति मजबूत करने पर विचार कर सकते हैं। निफ्टी और मिडकैप एवं स्मॉलकैप के बीच अंतर फिलहाल ऐतिहासिक चरम पर है। हालांकि निचले स्तर के बारे में अंदाजा लगाना कठिन है लेकिन व्यापक बाजारों में इस प्रकार की ऊंचाइयों के बाद 18 से 24 महीनों तक बेहतर प्रदर्शन का चलन है।'

एनएसई मिडकैप 100 और एनएसई स्मॉलकैप 100 में दोनों फिलहाल अपने ढाई साल के निचले स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। जुलाई के बाद मिडकैप सूचकांक में 11 फीसदी की गिरावट आई जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

पीई फंडों के पास बेहतरीन मौका

पृष्ठ 1 का शेष...

पीई के नियंत्रण वाले सौदों का औसत आकार लगातार बढ़ रहा है। पिछले साल यह 6.5 करोड़ डॉलर था जो अब बढ़कर 16.5 करोड़ डॉलर पहुंच चुका है।पीई फंडिंग विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का प्रमुख जरिया बन रहा है। 2018 में देश में आए कुल एफडीआई में पीई का हिस्सा 70 फीसदी से अधिक था। जाहिर है कि विदेशी पीई के लिए यह संख्या थोड़ा कम होगी क्योंकि कुछ भारतीय कंपनियां ने देश के भीतर ही पैसा जुटाती हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह बेहद मामूली है और उनमें से अधिकांश पैसा जुटाने के लिए विदेश जाती हैं। बेन ऐंड कंपनी के मुताबिक पिछले साल पीई ने 33 अरब डॉलर निकाले थे जबकि इससे ज्यादा का निवेश किया था। 2017 में उन्होंने भारत में 15.7 अरब डॉलर का निवेश किया था। जाहिर है कि पीई फंड नए कारोबारी क्षेत्रों में निवेश कर रहे हैं। एक अग्रणी पीई फंड के मुख्य कार्याधिकारी ने कहा, 'हम उम्मीद कर रहे हैं कि करीब 60 फीसदी कारोबार ऐसे भारतीय कंपनी समूहों से आएगा जो आईबीसी प्रक्रिया से बचने के लिए अपना गैर प्रमुख कारोबार बेचना चाहते हैं। बाकी नियमित शेयर खरीद और अन्य सौदों से आएगा।' उन्होंने कहा कि आईबीसी बिक्री को लेकर काफी होहल्ला हो रहा है लेकिन वास्तव में परिसमापन के लिए भेजी गई 1500 कंपनियों में से 60 फीसदी का पीई फंडों के लिए कोई महत्त्व नहीं है।

बिज़नेस स्टैंडर्ड
भोपाल संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा नई दुनिया न्यूज़ ऐंड नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड, 23/4-23/5, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, सेक्टर-डी, सीपेट हॉस्टल के पास, भोपाल, म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं मानव निकेत, प्रथम तल, प्लॉट नं. 30, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम पी नगर, ज़ोन-1, भोपाल, म.प्र. 462011 से प्रकाशित
संपादकः कैलाश नौटियाल

आरएनआई नं० MPHIN/2008/24603
पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।
टेलीफोन- 0755-4064605-7 फैक्स -0755-4064670
सब्सक्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया सम्पर्क करें..
सुश्री मानसी सिंह
हेड, कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंज़िल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013
ई मेल.. subs_bs@bsmail.in
या 57007 पर एसएमएस करें SUB BS

डिस्क्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा लिए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए।
मै0 बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा0 लि0 से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरू की जाएगी।
कोई हवाई अधिभार नहीं

एचपीसीएल का शुद्ध लाभ 53 फीसदी घटा

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में शुद्ध लाभ 53 फीसदी घट गया। कच्चे तेल में नरमी और रिफाइनरी मार्जिन घटने से स्टॉक में रखे माल पर हानि हुई जिससे सार्वजनिक क्षेत्र की इस कंपनी का मुनाफा गिर गया। एचपीसीएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश के सुराणा ने बताया कि 2019-20 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ गिरकर 811 करोड़ रुपये रह गया जबकि एक साल पहले की समान अवधि में उसका शुद्ध लाभ 1,719 करोड़ रुपये रहा था। उन्होंने कहा, 'मई और जून महीने में कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से स्टॉक में रखे माल से नुकसान हुआ। इससे शुद्ध लाभ घट गया।'

कंपनी को चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में प्रत्येक बैरल कच्चे तेल का शोधन कर उससे पेट्रोल एवं डीजल में बदलने पर मात्र 0.75 डालर की कमाई हुई। वहीं एक साल की इसी अवधि में उसे इससे 7.15 डॉलर प्रति बैरल का सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) प्राप्त हुआ था। अप्रैल-जून अवधि में एचपीसीएल की बिक्री मामूली बढ़कर 74,530 करोड़ रुपये रही। *एजेंसियां*

सुजलॉन के बॉन्डधारक जाएंगे अदालत!

देव चटर्जी और राघवेंद्र कामत
मुंबई, 7 अगस्त

सुजलॉन एनर्जी के बॉन्डधारक मध्य जुलाई में निर्धारित पुनर्भुगतान में डिफॉल्ट किए जाने पर कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की योजना बना रहे हैं। बॉन्डधारकों ने इसके लिए एक रणनीति तैयार करने के लिए विधि फर्म कर्कलैंड ऐंड एलिस को नियुक्त किया है।

यह खबर ऐसे समय में आई है जब बैंकों ने ब्रुकफील्ड के एक अनौपचारिक सौदे के लिए अपनी सहमति नहीं दी है। ब्रुकफील्ड ने कंपनी के अधिग्रहण करने की पेशकश की थी बशर्ते बैंक 10,300 करोड़ रुपये की देनदारी में उल्लेखनीय कटौती के लिए राजी हों। सुजलॉन एनर्जी के सुरक्षित लेनदारों और उसकी सहायक इकाइयों ने सुजलॉन समूह की कंपनियों के ऋण समाधान के लिए 7 जून को भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र की शर्तों के अनुसार एक इंटर-क्रेडिटर समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

एक बैंकिंग सूत्र ने कहा कि ब्रुकफील्ड ने बैंकों से अब तक कोई औपचारिक पेशकश नहीं की है और वे फिलहाल इस समस्या को निपटाने के विकल्पों पर बातचीत कर कर रहे हैं। 21 जून को ब्रुकफील्ड ने कंपनी की जांच-परख करने के लिए बैंकों से 45 दिनों का समय मांगा था। जबकि 16 जुलाई को कंपनी ने 17.2 करोड़ डॉलर के विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड के भुगतान में डिफॉल्ट किया।

बैंकों के साथ जिस प्रस्ताव पर चर्चा हुई है उसके अनुसार, ब्रुकफील्ड कंपनी में ताजा इक्विटी निवेश करती जिससे प्रवर्तकों की हिस्सेदारी कम की जा सकती थी। सूत्रों ने यह भी कहा कि सन फार्मास्युटिकल के प्रवर्तक दिलीप सांघवी ताजा इक्विटी खरीदने के लिए उल्लेखनीय निवेश कर सकते हैं ताकि वह कंपनी में अपनी मौजूदा हिस्सेदारी को बरकरार रख सकें। सांघवी ने 2014 में सुजलॉन में 23 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए 1,400 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इसके अलावा विंड फार्म कारोबार के विकास के लिए उन्होंने 450 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश किया था।

सुजलॉन ने पवन ऊर्जा क्षेत्र दीर्घावधि परिदृश्य सकारात्मक मानते हुए वित्त वर्ष 2013 में अपने ऋण पुनर्गठन के लिए सीडीआर प्रकोष्ठ से संपर्क किया था। दिसंबर 2012 में सीडीआर अधिकारप्राप्त समूह द्वारा पैकेज को मंजूरी दी गई थी। वित्त वर्ष 2019 में कंपनी ने 2,543 करोड़ रुपये के राजस्व पर 7,413 करोड़ रुपये का भारी घाटा दर्ज कयिा था।

सुजलॉन की वित्तीय स्थिति

समेकित आंकड़े करोड़ रुपये में

वित्त वर्ष	शुद्ध हैसियत	कुल ऋण	शुद्ध बिक्री	ब्याज	पीएटी
2013	902	15,191	18,914	1,855	-4,724
2014	-382	17,053	20,403	2,070	-3,520
2015	-7,322	17,811	19,954	2,065	-9,158
2016	-7,533	11,414	9,483	1,304	583
2017	-6,841	11,114	12,714	1,288	858
2018	-6,967	11,996	8,334	1,581	-377
2019	-8,498	9,624	5,025	1,270	-1,527

वित्त वर्ष 2019 के आंकड़े वित्तीय नतीजे की घोषणा के अनुसार स्रोतः कंपनी

PARVATI SWEETNERS AND POWER LIMITED

CIN: L15421MP2011PLC027287

Regd. Office: Hall No. 2, Gomantika Parisar, Shopping Complex, Jawahar Chowk, Bhopal-462003 (MP), Email: info@parvatisweetners.com, Tel. no: 0755-4009254

NOTICE OF BOARD MEETING

Pursuant to Regulation 29(1)(a) of SEBI (LODR) Regulations, 2015, this is to inform you that meeting of Board of Directors of the company is scheduled to be held on **Wednesday, August 14, 2019** inter-alia to consider and approve the following:

(a) Un-audited financial results of the company for the first quarter ended June 30, 2019.

(b) Fixation of date, time and place of 8th Annual General Meeting & adoption of Boards Report for the F.Y 2018-19 and other Business with the permission of Chair.

Further, in terms of the Company's code of conduct for Prevention of Insider Trading, the Trading Window for dealing in Company's Securities has been closed from 1st July, 2019 and would remain closed till 48 hours after the financial results are declared on 14th August, 2019.

For Parvati Sweetners & Power Limited
Sd/-
Deepak Chhugani
Company Secretary

Place: Bhopal
Date: 06-08-2019

In the matter of **M/s TIARA INFRASTRUCTURE LIMITED having its registered office at 782, Sai Kripa Colony MR-10 Near Radison Hotel Indore MP 452010 IN - Applicant.**

Notice is hereby given to the general public that the company intending to make an application to the Central Government (Power delegated to Regional Director, North Western Region, Ahmedabad) under section 14 of the Companies Act, 2013 read with aforesaid rules and is desirous of converting into a private limited company in terms of the special resolution passed at the Extra Ordinary General Meeting held on **03.07.2019** to enable the company to give effect for such conversion.

Any person whose interest is likely to be affected by the proposed change/status of the company may deliver or cause to be delivered or send by registered post of his objections supported by an affidavit stating the nature of his interest and grounds of opposition to the concerned Regional Director (North Western Region – Shri M.V. Chakranarayan, ROC Bhavan, Opp. Rupal Park Society, Behind Ankur Bus Stop, Naranpura, Ahmedabad-380013), within fourteen days from the date of publication of this notice with a copy to the applicant company at its registered office at the address mentioned below:

For and on behalf of the Applicant (TIARA INFRASTRUCTURE LIMITED)
Sd/-
Director
Mr. Anjani Kumar Singh
DIN – 02061164
Registered Office Address – 782, Sai Kripa Colony MR-10, Near Radison Hotel Indore MP 452010
Date – 01/08/2019, Place – Indore (M.P.)